



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 05 जून, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: (i) आज, 5 जून 2026 को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। (ii) अगले 7 दिनों के दौरान केरल और कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश (7-20 सेमी) और तमिलनाडु में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 6 और 7 जून को केरल में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की भी संभावना है। अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में भी कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

आज, 5 जून 2026 को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ और हिस्सों, गोवा के कुछ हिस्सों, कर्नाटक, तमिलनाडु और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है।

- 5 जून तक मॉनसून की उत्तरी सीमा 16.5°N/60°E, 16.5°N/65°E, 16.2°N/70°E, पणजी, बेंगलुरु, सलेम, पंबन, 11°N/83°E, 14.5°N/87°E, 17.5°N/90°E, 20°N/93°E और 22°N/95°E से होकर गुजरती है।
- अगले 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के मध्य अरब सागर, कर्नाटक, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों, गोवा, तमिलनाडु और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के बाकी हिस्सों, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में और आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं।

आज, 05 जून, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।

□ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हिमालय के निचले इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तटीय कर्नाटक, तेलंगाना, झारखंड और उत्तराखंड में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

□ उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हरियाणा, पंजाब, झारखंड, असम और मेघालय में कुछ जगहों पर 60-80 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया; वहीं ओडिशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, गुजरात क्षेत्र, पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, कोंकण, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ जगहों पर 40-60 किमी/घंटा की रफ्तार वाली हवाएं चलीं।

□ हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और मध्य महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर ओलावृष्टि हुई।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

दिन/अधिकतम तापमान (04-06-2026 तक): कल, मध्य और उससे सटे पूर्वी भारत, उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत, राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, महाराष्ट्र के अंदरूनी इलाकों, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम

बंगाल और दक्षिण-पूर्वी तटीय क्षेत्रों के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 38-44°C के बीच रहा। देश के बाकी हिस्सों में दिन का तापमान 38°C से कम रहा। सबसे ज़्यादा अधिकतम तापमान 44.2°C ब्रह्मपुरी (महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया।

□ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (04-06-2026 तक): कल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा; उत्तरी राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय, ओडिशा, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा; और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।

□ रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (05-06-2026 तक): बिहार, ओडिशा और तटीय महाराष्ट्र में रात का तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा; दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, छत्तीसगढ़, मिजोरम और नागालैंड में सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा; और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ जम्मू डिवीजन और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर चक्रवाती परिसंचरण के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है, जिसके ऊपर मध्य क्षोभमंडल स्तर पर एक गर्त है जो लगभग 72° पूर्व देशांतर के अनुदिश 31° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ □ मध्य पाकिस्तान और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ □ मध्य पाकिस्तान और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण से उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक गर्त फैली हुई है।
- ❖ □ उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्र में निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों के बीच एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ □ पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ □ म्यांमार और उससे सटे अंडमान सागर के ऊपर निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों के बीच एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

- ❖ □ कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों और आसपास के इलाकों में निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों के बीच एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ □ दक्षिण-पूर्वी राजस्थान और उससे सटे पश्चिमी मध्य प्रदेश में निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ □ उत्तर-पूर्वी बांग्लादेश और आसपास के इलाकों में निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

5-11 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 6-11 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है और 5 जून को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है।

□ 5-7 जून के दौरान असम और मेघालय में छिटपुट आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 5-8 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, 8 जून को असम और मेघालय में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है और 5-9 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट आंधी और बिजली गिरने की संभावना है; 9 जून को असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।

□ 5-6 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना; 5 जून को असम और मेघालय; 6-11 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, साथ ही 7-11 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश में भी बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 6-11 जून के दौरान असम और मेघालय

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

5-11 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है; 6-11 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 5 जून और 8-11 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में बारिश हो सकती है। वहीं, 5-11 जून के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, लक्षद्वीप और तेलंगाना में; 5 जून को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 6-7 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।

□ 5-7 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 5-9 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में; 5-6 जून के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 5-7 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 8-9 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 5-6 जून के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 5-9 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

□ 8-11 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 6-7 जून और 10-11 जून के दौरान केरल और माहे में; 5-7 जून के दौरान लक्षद्वीप में; 5-11 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 7-8 जून और 10-11 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 6-7 जून के दौरान रायलसीमा में; 5-6 जून के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 5-7 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है। केरल और माहे में 5 जून और 8-9 जून के दौरान; तटीय कर्नाटक में 5-11 जून के दौरान।

पूर्वी भारत:

5-11 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है; 5 जून को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में और 6-11 जून के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है; झारखंड में 5-8 जून और 10-11 जून के दौरान; बिहार और ओडिशा में 5-11 जून के दौरान।

□ 10-11 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 5-11 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 6-11 जून के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; 6-8 जून के दौरान झारखंड में; 7-8 जून के दौरान बिहार में; 7-9 जून के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

□ 6 जून और 8-10 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 5-7 जून और 9-11 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 5 जून को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 5 जून को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में और 8 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

□ 5-9 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 5 जून को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में; 5-6 जून और 9-10 जून के दौरान बिहार में; 5-6 जून के दौरान ओडिशा में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंके 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिमी भारत:

5-6 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद में; और 5 जून को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।

□ 5-7 जून और 11 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 5-6 जून और 11 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 5-6 जून और 10-11 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 5-7 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 5-11 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान में; 7-11 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद में; और 6-11 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

□ 5-6 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद में; 5 जून को हिमाचल प्रदेश में; 6 जून को उत्तराखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 6 जून को हिमाचल प्रदेश में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

□ 5-6 जून और 11 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 6 जून को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना

है; साथ ही 7 जून को पश्चिमी राजस्थान में; और 7-11 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

□ 5 जून को पूर्वी राजस्थान और उत्तराखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। □ 5 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 5-6 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में तेज़ हवाओं के साथ तूफ़ान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

□ 5 जून को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

□ 5 जून को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

5 से 11 जून के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

□ 7 से 9 जून के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 5 से 9 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 5 से 6 जून के दौरान विदर्भ; और 5 जून तथा 8 से 9 जून को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 7 से 9 जून के दौरान विदर्भ में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

□ 5 से 6 जून के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश और 6 से 7 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में तेज़ आंधी (हवा की रफ्तार 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

□ 5 जून को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

5 से 11 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

□ 5 से 10 जून के दौरान कोंकण और गोवा में; 5 से 9 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; और 5 जून को गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।

□ 5 से 9 जून के दौरान कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

उत्तर-पश्चिम भारत में 5 जून तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-4°C की गिरावट और उसके बाद 6 से 11 जून के दौरान 3-5°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है।

□ मध्य भारत में 7 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है और उसके बाद 8 से 11 जून के दौरान 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो सकती है।

□ महाराष्ट्र में 7 जून तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट और उसके बाद 11 जून 2026 तक कोई खास बदलाव न होने की संभावना है।

□ देश के बाकी हिस्सों में 11 जून 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

उष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

5-6 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 9-11 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; 8-11 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान; और 9-11 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में लू (heat wave) चलने की बहुत संभावना है।

□ 5-9 जून के दौरान ओडिशा; 5 जून को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल; और 7 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

छुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 5 जून से 10 जून, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

□ बंगाल की खाड़ी:

5 जून से 10 जून के दौरान मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन और मालदीव इलाके, श्रीलंका के तटों, उत्तरी तमिलनाडु के तटों के पास, बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी और उससे सटे मध्य हिस्सों और अंडमान सागर के ऊपर।

□ अरब सागर:

5 जून से 10 जून के दौरान दक्षिण-पश्चिम अरब सागर से सटे सोमालिया के तटों के पास, दक्षिण महाराष्ट्र और गोवा के तटों के पास, केरल, कर्नाटक, मालदीव से सटे लक्षद्वीप और पूर्वी-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में।

9 जून को ओमान के तटों के पास, पश्चिम-मध्य अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम, पूर्वी-मध्य और उत्तर-पश्चिम अरब सागर के हिस्सों में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 05 से 08 जून 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: नलमुक्कु (जिला तिरुनेलवेली) 17, ऊथु (जिला तिरुनेलवेली) 15, कक्काची (जिला तिरुनेलवेली) 12, मंजोलाई (जिला तिरुनेलवेली) 10, मायलर (जिला कन्याकुमारी) 9

□ केरल और माहे: कुन्नाथनम एडब्ल्यूएस (जिला पथानामथिट्टा) 15; वेंकुरिंजी एडब्ल्यूएस (जिला पथानामथिट्टा) 13; रन्नी एडब्ल्यूएस (जिला पथानामथिट्टा) 12; मुनक्कल एडब्ल्यूएस (जिला त्रिशूर) 11; चेरथला (जिला अलापुझा), एर्नाकुलम दक्षिण

(जिला एर्नाकुलम) 10 प्रत्येक; कुरुदामनिल (जिला पथानामथिट्टा), कोट्टायम (जिला कोट्टायम), कन्नूर (जिला कन्नूर), चूडी एडब्ल्यूएस (जिला एर्नाकुलम) 9 प्रत्येक; कोडुंगल्लूर (जिला त्रिशूर), वैकोम (जिला कोट्टायम), वदावथुर एडब्ल्यूएस (जिला कोट्टायम), एम्स कन्नूर (जिला कन्नूर) 8 प्रत्येक; मवेलिकारा (जिला अलापुझा), इरिक्कुर (जिला कन्नूर), चलाकुडी (जिला त्रिशूर), थोडुपुझा (जिला इडुक्की), पिरावम (जिला एर्नाकुलम), कोल्लम रेलवे (जिला कोल्लम), उलानाड एडब्ल्यूएस (जिला पथानामथिट्टा), कोझिकोड (जिला कोझीकोड), अलवे पीडब्ल्यूडी (जिला एर्नाकुलम) 7 प्रत्येक;

□ गंगीय पश्चिम बंगाल: तिलपारा बैराज (जिला बीरभूम) 14; सूरी पीटीओ (जिला बीरभूम) 10; सूरी (सीडब्ल्यूसी) (जिला बीरभूम) 9; बर्दवान पीटीओ (जिला पुरबा बर्धमान) 8;

□ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: माया बंदर (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 11; पोर्ट ब्लेयर (जिला दक्षिण अंडमान) 9;

□ उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: घुघुमारी (जिला कूच बिहार) 7;

□ पश्चिमी राजस्थान: डूंगरगढ़ (जिला बीकानेर) 7;

□ पूर्वी राजस्थान: शाहपुरा (जिला भीलवाड़ा) 7;

□ अरुणाचल प्रदेश: भालुकपोंग 9;

□ असम और मेघालय: जियागांव 8;

□ झारखंड: झारखंड (पाकुरिया) 8;

□ उत्तराखंड: मसूरी 7

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

□ उत्तराखंड: हाथीबड़कला 72, जौलीग्रांट 61, चंपावत 61, भरसार 46, मोखमापुर 44, रुद्रप्रयाग 39, कोस्याकुटोली 35, रूड़की 33, पंतनगर 30;

□ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बुलन्दशहर 70, जेवर 67, गाजियाबाद 65, हिण्डन 65, आगरा 50, फिरोजाबाद 46, मथुरा 43, अलीगढ़ 41, बरेली 39, सहारनपुर 37;

□ सौराष्ट्र और कच्छ: भचाऊ 68;

□ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 66;

□ हरियाणा: सोनीपत 65; उचानी 61; जिंद 57; करनाल और पंचकुला 57; पलवल 56; रोहतक और चंडीगढ़ 41;

□ पंजाब: सालर्न 61; मोहाली और होशियारपुर 54; बठिंडा 52; रूपनगर 50; फिरोजपुर 46; पटियाला और संगरूर 44;

□ झारखंड: जेडआरएस दरसाई 61;

□ ओडिशा: मल्कानगिरी 59;

□ पूर्वी उत्तर प्रदेश: गोरखपुर 57, लखनऊ (इंटीग्रल यूनिवर्सिटी एडब्ल्यूएस) 44, रायबरेली 43, कानपुर 31;

- तमिलनाडु: तिरुचेंदूर (थूथुकुडी) 52, एचआरएस_विजयनगरम (नीलगिरी) 50, कोविलपट्टी (थूथुकुडी) 48, तेनकासी 44, तिरुपतिसारम (कन्याकुमारी) 41, रामनाडु (रामनाथपुरम) 41, वेधरण्यम (नागपट्टिनम) 41, अरियालुर (अरियालुर) 41, कोयंबटूर (Coimbatore) 39, पेरम्बलूर (Perambalur) 39, वासु_नामक्कल (Namakkal) 39, रानीपेट-39, कराईकल 39;
- गंगीय पश्चिम बंगाल: कोलकाता हवाई अड्डा 52;
- छत्तीसगढ़: बलरामपुर 50, जांजगीर 43, सूरजपुर 37, लखनपुर 35, धमतरी 33;
- गुजरात क्षेत्र: अरनेज 46;
- पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 46, शहडोल 39, सीधी 37, सतना 30;
- मध्य महाराष्ट्र: जलगांव 46, शहादा (नंदुरबार) 44, कागमो_शिवाजीनगर (पुणे) 41, कलवान (नासिक) 41;
- मराठावाड़ा: सागरोली (नांदेड़) 43, नांदेड़ 41, अंबेजोगाई (बीड) 37;
- कोंकण: कर्जत (रायगढ़) 41, देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) 33, दापोली (रत्नागिरी) 31;
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: लेम्बुचेरा (50);
- असम और मेघालय: कॉलेज_ऑफ_हॉर्टिक्यूलर_फार्मिंग_सिस्टम_रिसर्च (61)।

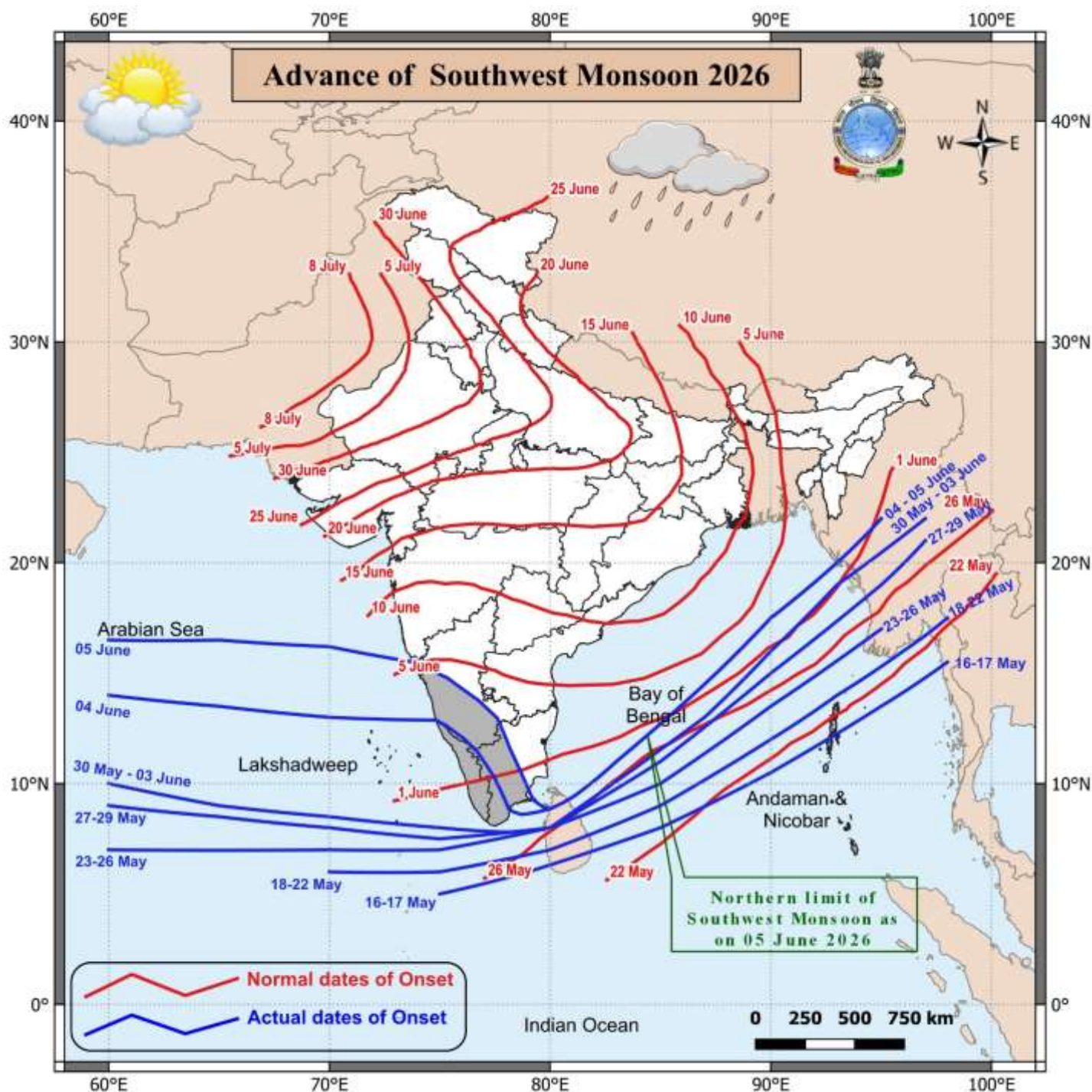
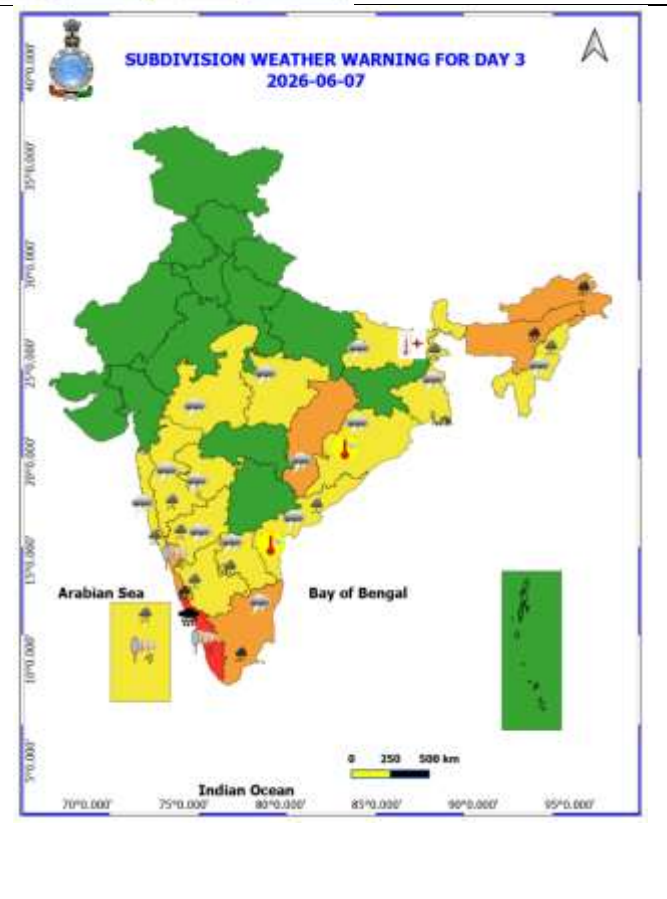
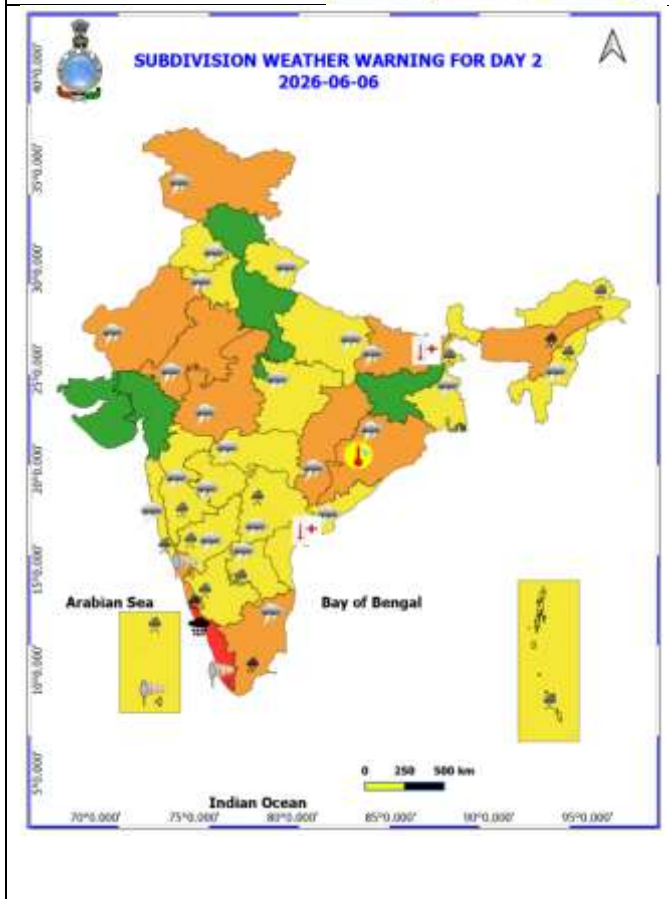
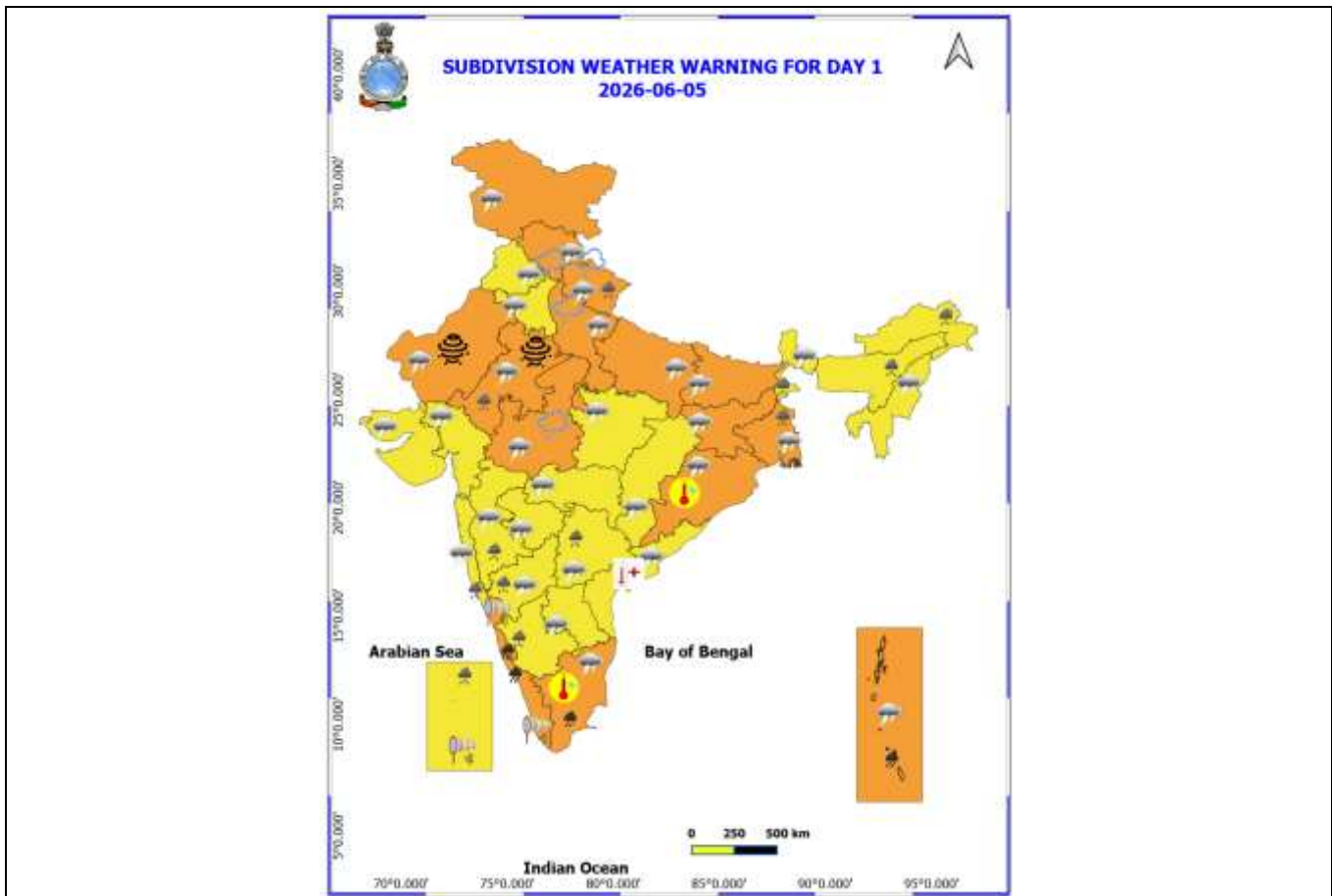
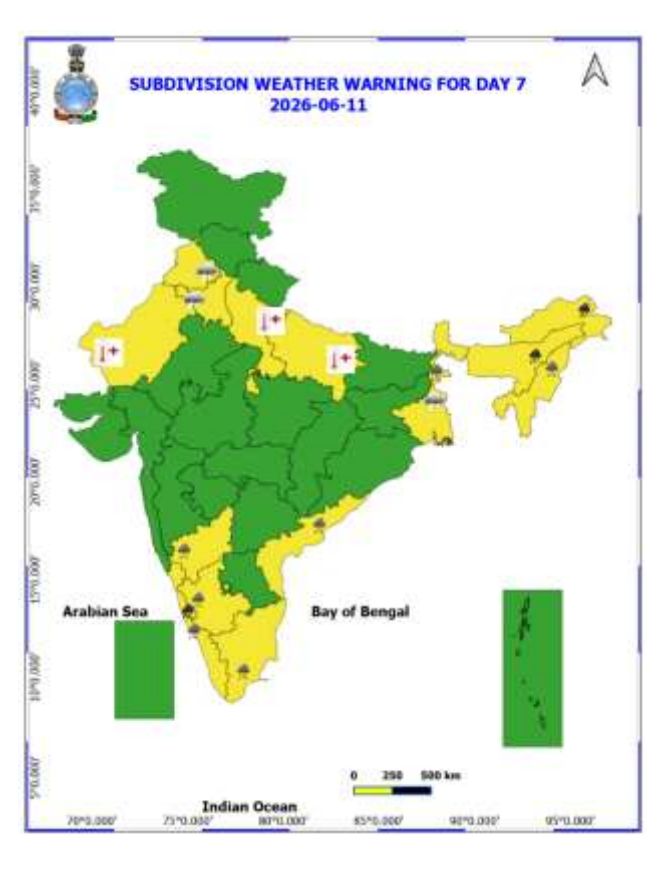
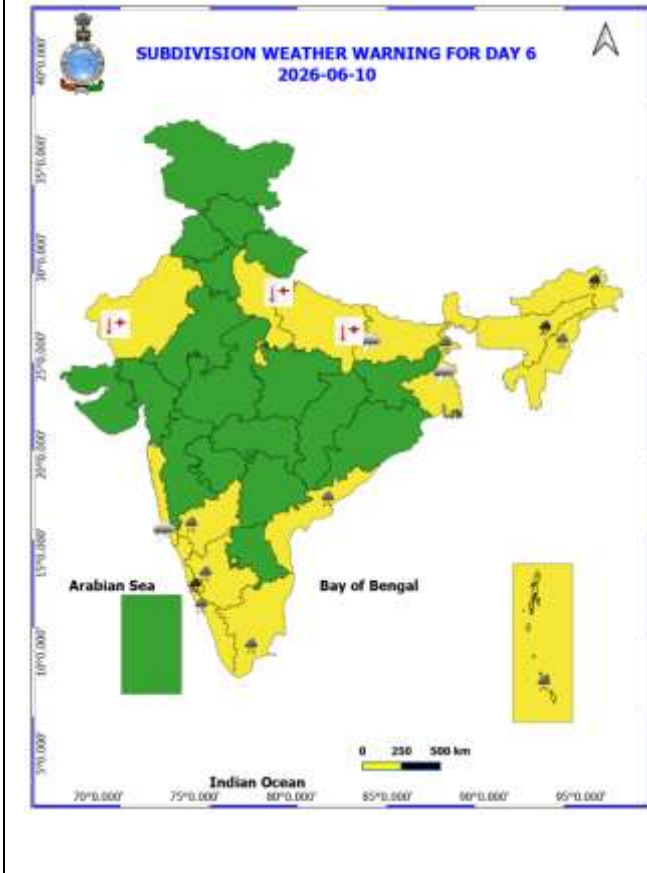
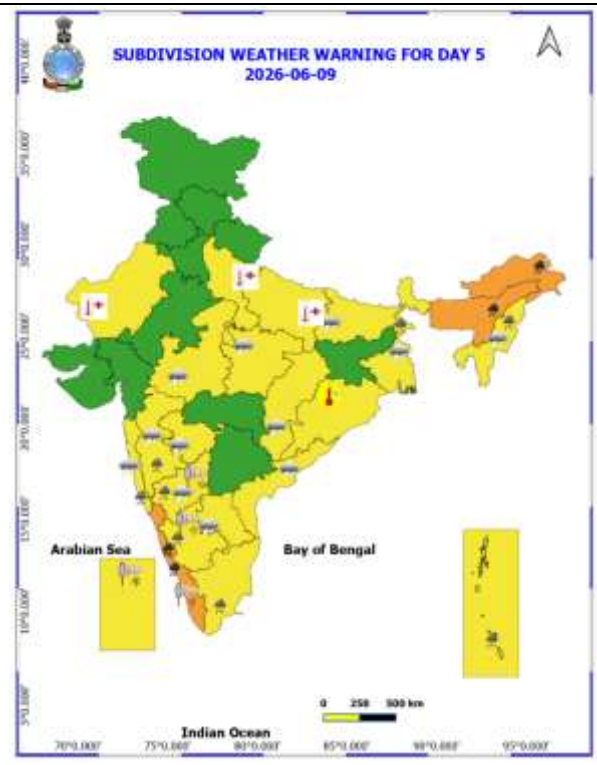
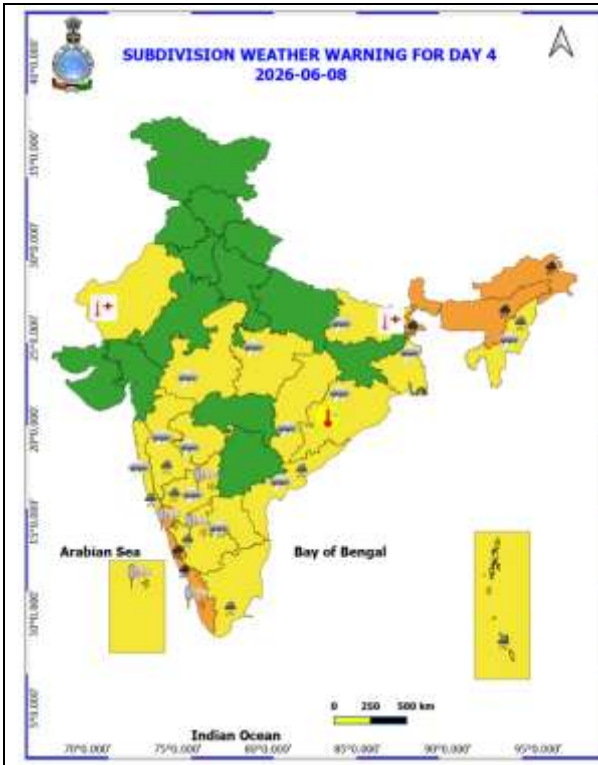


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	5- Jun	6- Jun	7- Jun	8- Jun	9- Jun	10- Jun	11- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
12	UTTARAKHAND	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

05 से 08 जून 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में लगभग 1°C की मामूली बढ़ोतरी और न्यूनतम तापमान में 3-5°C की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 39-41°C और न्यूनतम तापमान 22-26°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम), कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवा की गति 20 किमी/घंटा रही, जो कभी-कभी 65 किमी/घंटा तक पहुँच गई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हुई। आज सुबह के समय इस इलाके में आम तौर पर बादल छाए रहने और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक की गति से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

05.06.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ आंधी/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवा चलने की संभावना है। रात के समय भी बहुत हल्की बारिश के साथ-साथ आंधी/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवा चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33°C से 35°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 18 किमी/घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय ज़मीनी हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

06.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

07.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36°C से 38°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी।

08.06.2026: मुख्य रूप से साफ आसमान रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय

पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 20 किमी/घंटा तक हो सकती है।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान के कारण संभावित असर और सुझाव:

धूल उड़ाने वाली ज़मीनी हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने और बिजली कड़कने व तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियां टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियां गिरना, खड़ी फसलों को नुकसान, टहनियां गिरने से बिजली और संचार लाइनों को कम या ज़्यादा नुकसान, तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान, हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

- जनता की सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम की जानकारी और बिगड़ते हालात पर नज़र रखें, घर के अंदर रहें और गैर-ज़रूरी यात्रा से बचें, खिड़कियां और दरवाज़े अच्छी तरह बंद करें, सुरक्षित जगहों पर शरण लें और खुली जगहों से बचें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, बिजली कड़कने के दौरान कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों के सहारे खड़े हों, बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ, बिजली की सुचालक चीज़ों से दूर रहें।

नागरिकों को सलाह दी जाती है।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

□ 5 जून को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और 5 जून को ही पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

□ अरुणाचल प्रदेश में 5-6 जून; असम और मेघालय में 5 जून; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 6-11 जून के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश में 7-11 जून; असम और मेघालय में 6-11 जून; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 8-11 जून; केरल और माहे में 6-7 जून और 10-11 जून; लक्षद्वीप में 5-7 जून; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 5-11 जून; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 7-8 जून और 10-11 जून; रायलसीमा में 6-7 जून; तेलंगाना में 5-6 जून के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है। इसके अलावा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 5-7 जून; केरल और माहे में 5 जून और 8-9 जून; तटीय कर्नाटक में 5-11 जून; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 6 जून और 8-10 जून; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 5-7 जून और 9-11 जून; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 5 जून को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है। साथ ही, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 5 जून; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 8 जून; पूर्वी राजस्थान और उत्तराखंड में 5 जून; कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में 5-9 जून के दौरान बारिश की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

लू की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 5-9 जून के दौरान बिहार के कुछ इलाकों में; 7-9 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 8-9 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू चलने की बहुत अधिक संभावना है।
- ❖ चेतावनी वाले क्षेत्र
- ❖ तेज़ तापमान और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में अधिक है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे- शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के स्वास्थ्य के लिए यह एक बड़ी चिंता का विषय है।
- ❖ धूप में निकलने से बचें और खुद को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।

- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ, भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए ORS या घर पर बने पेय पदार्थ (जैसे- लस्सी, तोरानी/चावल का पानी, नींबू पानी, छाछ आदि) का सेवन करें।
- ❖ लू (हीट वेव) की स्थिति के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 5-6 जून; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 9-11 जून; पश्चिमी राजस्थान में 8-11 जून; और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 9-11 जून के दौरान कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत संभावना है।
- ❖
- ❖ अलर्ट वाले क्षेत्र
- ❖ ज्यादा तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में लू से जुड़ी बीमारी के लक्षण दिखने की ज्यादा संभावना।
- ❖ कमज़ोर लोगों (जैसे शिशु, बुजुर्ग, और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) की सेहत को लेकर ज्यादा चिंता।
- ❖ धूप में जाने से बचें - खुद को ठंडा रखें। डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ORS, घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का इस्तेमाल करें।

ओलावृष्टि के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

- ❖ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिमी मध्य प्रदेश में फलों के बागों और सब्जियों के पौधों को यांत्रिक नुकसान से बचाने के लिए हेल नेट (ओला-रोधी जाल) या हेल कैप का इस्तेमाल करें।
- ❖ खेत में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम करें। पके हुए फलों की तुड़ाई जल्द से जल्द करें। तोड़ी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें।

❖ भारी बारिश के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

- ❖ केरल में, केले, नारियल, काली मिर्च और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। केले के पौधों को सहारा देने के लिए स्टेकिंग (सहारा) दें और सब्जियों के पंजालों को मज़बूत करें।
- ❖ तमिलनाडु में, पानी जमा होने से रोकने के लिए नर्सरी, हाल ही में बोई गई कुंबू (बाजरा) और सब्जियों की फसलों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। तोड़ी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें।
- ❖ लक्षद्वीप में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का पर्याप्त इंतज़ाम करें।
- ❖ कर्नाटक में, धान के खेतों, सुपारी और आम के बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। तोड़ी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें। टमाटर के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।
- ❖ तेलंगाना में, पानी जमा होने से रोकने और बारिश के दौरान फलों के झड़ने को कम करने के लिए बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। तोड़े गए फलों को छाया में रखें और बारिश के पानी से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए उन्हें तिरपाल या प्लास्टिक की शीट से ढक दें।
- ❖ उत्तराखंड में, खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, नारियल के बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और पेड़ों के चारों ओर पानी जमा न होने दें।
- ❖ पश्चिम बंगाल में, पानी जमा होने से रोकने के लिए धान, तिल, जूट और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। पहले से तोड़ी गई उपज को सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, सब्जियों, मक्का और नर्सरी के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। WRC धान में, नर्सरी बेड से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी चैनलों को खुला रखें। हाल ही में बोई गई नर्सरी बेड को पॉलीथीन शीट या पुआल की मल्ल से ढक दें।
- ❖ असम में, धान की नर्सरी, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त पानी को तेज़ी से निकालने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। बोरो धान की तोड़ी गई उपज को सुरक्षित जगह पर रखें। धान की नर्सरी बेड को पतली पॉलीथीन शीट से ढक दें।
- ❖ मेघालय में, मौसम साफ रहने पर पके हुए केले के फलों की तुड़ाई तुरंत करें। मक्का, अदरक, लोबिया, सब्जियों, केले और अन्य बागों की फसलों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें। □ महाराष्ट्र में, आम की कटाई जल्द से जल्द करें,

कटी हुई उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें और कोंकण में नए लगाए गए बागों और सब्जियों को मैकेनिकल सहारा दें। मध्य महाराष्ट्र में, गर्मियों की मूंगफली, फलों और सब्जियों की कटाई जल्द से जल्द करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें। बागों को मैकेनिकल सहारा दें और सब्जियों में सहारा (स्टेकिंग) लगाएं।

❖ तेज़ तापमान/लू (हीट वेव) के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

❖ □ आंध्र प्रदेश - धान, मक्का, तिल, गन्ना, सब्जियों और फलों के बागों जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।

❖ तूफान/तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

❖ □ कटी हुई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या खेतों में उपज को तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ ज़मीनी हवाओं से उनके इधर-उधर होने का खतरा कम हो।

❖ □ बागवानी फसलों को मैकेनिकल सहारा दें और तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सब्जियों और छोटे फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

❖ पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन

❖ □ ओलावृष्टि/भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।

❖ □ चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।

❖ □ तालाबों के चारों ओर जाली वाला निकास (आउटलेट) बनाएं ताकि अतिरिक्त पानी निकल सके और ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल पाएं।

❖ □ तेज़ तापमान और लू वाले इलाकों में, जानवरों के लिए साफ, स्वच्छ और पर्याप्त पीने का पानी उपलब्ध कराएं और बुरे असर को कम करने के लिए पोल्ट्री शेड की छतों को घास से ढक दें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

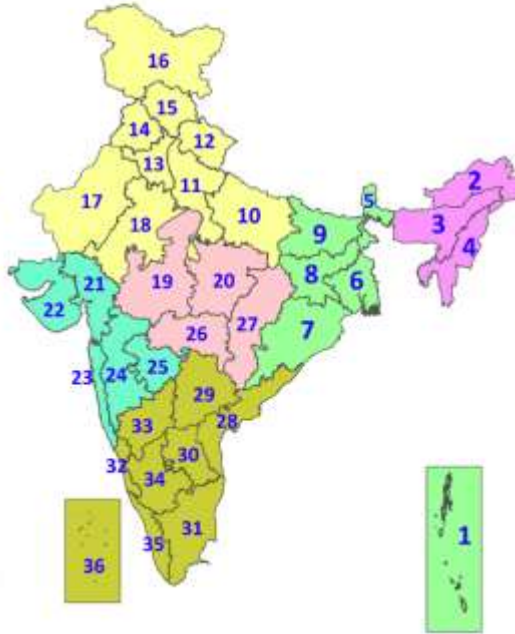
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला: NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)